प्रेमी दिवाने मस्ताने पीये जा,पीये जा

1--चौदह भवन से जाम निराला
पिये अर्श की निसबत वाला
उसके अन्दर होए उजाला

2--जिसने पिया जाम हकीकी
उसको दुनिया लागे फीकी
लेवे लज्जत हक नजदीकी

3--बैठे सतगुरू बन के साकी
जिसके पिए मिले हैयाती
सुध पड़े अर्श बका की

Nijanand App